सामाजिक विज्ञान-2016 (द्वितीय पाली)

Time : 2 Hrs. 45 Minutes] [Full Marks : 80

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : देखें 2015 (प्रथम पाली)

Group–A (इतिहास)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

1. हिन्द-चीन पहुंचने वाले प्रथम व्यापारी कौन थे ?
   (क) अंगरेज (ख) फ्रांसीसी
   (ग) पुर्तगाली (घ) डच
2. रम्पा विद्रोह कब हुआ ?
   (क) 1916 में (ख) 1917 में
   (ग) 1918 में (घ) 1919 में
3. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :
   ..... भारत में खिलाफत आन्दोलन के नेता थे। 1
4. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :
   सन् 1838 में ..... में चार्टिस्ट आन्दोलन की शुरूआत हुई। 1
5. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
   यूरोपियन समाजवादियों के विचारों का वर्णन करें। 3
6. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
   भारत में राष्ट्रवाद के उदय के सामाजिक कारणों पर प्रकाश डालें। 3
7. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
   गुटेनबर्ग ने मुद्रण यंत्र का विकास कैसे किया ? 3
8. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :
   उपनिवेशवाद से आप क्या समझते हैं ? औद्योगीकरण ने उपनिवेशवाद को कैसे जन्म दिया ? वर्णन करें। 7
   http://www.bsebstudy.com
   अथवा, ग्रामीण तथा नगरीय जीवन में बीच की भिन्नताओं को स्पष्ट करें।

Group–B (भूगोल)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

9. मरुस्थलीय मृदा किस राज्य में पाया जाता है ? 1
   (क) उत्तर प्रदेश (ख) राजस्थान
   (ग) कर्नाटक (घ) महाराष्ट्र
10. बिहार के कितने भौगोलिक क्षेत्र पर वन का फैलाव है ? 1
    (क) 15% (ख) 20%
    (ग) 30% (घ) 7%
11. सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें :
    (i) मन्दार हिल ..... जिला में है। 1
    (ii) बिहार में अति-जल-दोहन से ..... तत्व का संकेन्द्रण बढ़ा है। 1
12. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :
    बिहार में वन विनाश के दो मुख्य कारकों को लिखें। 2

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

13. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
तल चिह्न और स्थानिक ऊँचाई में अन्तर स्पष्ट करें। 3

14. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं ? 4

15. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :
भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों के योगदान का विस्तार पूर्वक वर्णन करें। 7

अथवा, पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को अंकित कीजिए :

(क) रानीगंज (ख) अंकलेश्वर
(ग) बरौनी (घ) कलपक्कम
(ङ) सुन्दरवन क्षेत्र।

अथवा, केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए :
भारत में गेहूँ की खेती का विस्तार पूर्वक वर्णन करें। 7

Group–C (राजनीति विज्ञान)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

16. बिहार में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं ? 1
(क) 50% (ख) 25%
(ग) 33% (घ) इनमें से कोई नहीं

17. सूचना के अधिकार आन्दोलन की शुरूआत किस राज्य से हुई ? 1
(क) राजस्थान (ख) दिल्ली
(ग) तमिलनाडु (घ) बिहार

18. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :
गुप्त मतदान पत्र क्या है ? 2

19. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
ग्राम कचहरी के गठन एवं शक्ति का वर्णन करें। 3

20. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
लैंगिक असमानता क्या है ? 3

21. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :
परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करते हैं ? 7
अथवा, लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दल क्यों आवश्यक है ?

Group–D (अर्थशास्त्र)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

22. निम्न में कौन एक बीमारू राज्य नहीं है ? 1
(क) बिहार (ख) मध्य प्रदेश
(ग) उड़ीसा (घ) कर्नाटक

23. वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण कब हुआ था ? 1
(क) 1966 में (ख) 1969 में
(ग) 1980 में (घ) 1975 में

24. निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें :
मिश्रित अर्थव्यवस्था क्या है ? 2

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

25. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
आर्थिक नियोजन क्या है ? 3

26. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
सकल घरेलू उत्पाद क्या है ? 3

27. निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें :
राष्ट्रीय आय की परिभाषा दें। उसकी गणना की प्रमुख विधियाँ कौन-सी हैं ? 7

अथवा, भारत में सामान्य व्यक्ति पर वैश्वीकरण का क्या प्रभाव पड़ा ?

Group–E (आपदा प्रबंधन)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें :

28. बाढ़ के समय हमें निम्नलिखित में से किस स्थान पर जाना चाहिए ?
(क) ऊंची भूमि वाले स्थान पर (ख) गांव के बाहर
(ग) जहां हैं उसी स्थान पर रहना (घ) खेतों में

29. निम्नलिखित में से किस नदी को 'बिहार का शोक' कहा जाता है ?
(क) गंगा (ख) गंडक
(ग) कोसी (घ) पुनपुन

30. निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें :
आपदा के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें। 4

उत्तरमाला

1. (ग), 2. (क), 3. गांधीजी, 4. मजदूरों।

5. यूरोपियन समाजवादियों के विचार—प्रथम यूरोपियन समाजवादी जिसने समाजवादी विचार धारा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, एक फ्रांसीसी विचारक सेंट साइमन था। उसका मानना था कि राज्य एवं समाज को इस ढंग से संगठित करना चाहिए कि लोग एक दूसरे का शोषण करने के बदले मिलजुलकर प्रकृति का दोहन करें, समाज को निर्धन वर्ग के भौतिक एवं नैतिक उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। उसने घोषित किया, प्रत्येक को उसकी क्षमता के अनुसार तथा प्रत्येक को उसके कार्य के अनुसार। आगे चलकर यही समाजवाद का मूलभूत नारा बन गया।

6. भारत में राष्ट्रवाद के सामाजिक कारण—राष्ट्रवाद के उदय में ब्रिटिश सरकार की प्रजाति भेद की नीति भी महत्वपूर्ण कारक थी। अंग्रेज अपने को श्रेष्ठ समझते थे। एवं भारतीय को हेय दृष्टि से देखते थे। यहां तक की विदेशों में भी भारतीयों के साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया जाता था। दक्षिण अफ्रीका के भारतीयों पर कई तरह के कानूनी प्रतिबंध लगाये जा चुके थे। भारत में तो उनके साथ भारतीयों को रेलगाड़ी में यात्रा नही करने दिया जाता था। रेलगाड़ियों में क्लबों में सड़कों पर और होटलों में अंग्रेज भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार करते थे। इससे भारतीय जनता में अंग्रेज के प्रति घृणा का भाव जागृत हुआ।

सरकारी सेवाओं में अंग्रेजों की पक्षपातपूर्ण नीति ने राष्ट्रवाद की भावना को प्रेरित किया। सरकार द्वारा ऊंचे-ऊंचे सरकारी पदों से भारतीयों को अलग रखने का हर संभव प्रयास किया जाता था।

7. गुटेनबर्ग ने मुद्रण स्याही एवं हैण्डप्रेस नामक मुद्रण यंत्र भी बनायी। इस प्रकार एक सुस्पष्ट, सस्ता तथा शीघ्र कार्य करनेवाला मुद्रण यंत्र 1440 ई. में अस्तित्व में आया।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

18वीं शताब्दी के अंत तक रिबड एम हान शाक्त चालित बलनाकार प्रस बनाया। सदी के अंत तक ऑफसेट प्रेस अस्तित्व में आया। जिसमें छः रंगों में एक साथ छपाई की जाने लगी। 20वीं सदी विद्युत चालित छापाखाने तेजी से काम करने लगे। लगातार तकनीकि सुधार होने से प्लेट की गुणवत्ता वेहतर हुए। अब पेपर टॉल और रंगों के लिए फोटो विद्युतीय नियंत्रण भी काम में आने लगा है। जिसके फलस्वरूप पुस्तक सस्ती और आकर्षक छपने लगी।

8. उपनिवेशवाद एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा विकसित और शक्तिशाली राष्ट्र अपने से कमजोर राष्ट्र के आर्थिक संसाधनों पर अधिकार कर उनका उपयोग अपने हित के लिए करता है। इसके साथ-साथ विजित देश के राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी अधिकार स्थापित कर लिया जाता है। अतः उपनिवेशवाद साम्राज्यवाद के रूप में परिणत हो जाता है।

उपनिवेशवाद के विकास के अनेक काल थे। परन्तु इसे सबसे अधिक बढ़ावा औद्योगिक क्रान्ति के कारण मिला। इंगलैण्ड को अपने उद्योगों को चलाने के लिए कच्चेमाल तथा कारखानों में उत्पादित वस्तुओं को बिक्री के लिए बाजार की आवश्यकता थी। अतः उसने एशिया और अफ्रीका में अपने उपनिवेश स्थापित किए। एशिया में इंगलैण्ड का सबसे बड़ा उपनिवेश भारत था। यहां से इंगलैण्ड के सूती वस्त्र के कारखानों के चलाने के लिए बड़ी मात्रा में कपास का निर्यात किया गया तथा भारत में इंगलैण्ड में बने कपड़ों का आयात किया गया। इससे भारत का विकसित वस्त्र उद्योग समाप्त हो गया। इंगलैण्ड से आने वाली सामानों की बिक्री को प्रोत्साहन दिया गया शुल्क में रियारती की गई तथा उनके व्यापक वितरण के लिए सड़क और रेल का निर्माण किया गया। इस नीति से भारतीय कुटीर उद्योग नष्ट हो गए, धन का निष्काषण हुआ एवं भारत की गरीबी बढ़ी।

अथवा, आर्थिक और प्रशासनिक दृष्टि से ग्रामीण और नगरीय व्यवस्था के दो मुख्य आधार है। जनसंख्या का घनत्व तथा कृषि पर आधारित आर्थिक क्रियाओं का अनुपात। शहरों में एक बड़ा हिस्सा जनसंख्या का सेवा क्षेत्र में लगी होती है। गाँव में जनसंख्या का बड़ा हिस्सा कृषि कार्य में लगा होता है। नगरों में धन का उपार्जन आसानी से किया जा सकता है। लेकिन गाँव में कृषि उत्पाद आसानी से प्राप्त होता है। नगरों में रोजगार की संभावनाएँ अधिक है। गाँव में रोजगार के अवसर कम होते हैं।

9.(ख), 10.(घ)

11.(i), बाँका, (ii) आर्सेनिक

12. वन विनाश के दो मुख्य कारण इस प्रकार है—

(i) बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण वनों की अंधाधुन कटाई।

(ii) शहरीकरण के कारण पुनः वृक्षारोपण का अभाव।

13. तल चिन्ह—वास्तविक सर्वेक्षण द्वारा समुद्र जल तल के संदर्भ में किसी स्थान की मापी गई ऊंचाई को तल चिन्ह कहा जाता है।

स्थानिक ऊंचाई—वास्तविक सर्वेक्षण द्वारा तल चिन्ह के संदर्भ में मापी गई ऊंचाई को स्थानिक ऊंचाई कहते हैं।

14. 1960 ई. के दशक में उन्नत किस्म के बीज उन्नत खाद, नये-नये कृषि औजार के प्रयोग से कृषि उत्पादन में बहुत ही बढ़ोतरी हुई खास कर गेहूं के उत्पादन में अधिक उपज देने वाले बीज रासायनिक खाद, सिंचाई की सुविधा एवं वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग किया गया। जिससे 1967-68 में कृषि और विशेषकर गेहूं के उत्पादन में क्रान्तिकारी परिवर्तन आया। कृषि से जुड़ी हुई इसी क्रान्ति को हरित क्रान्ति कहते हैं।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

15. भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों के निम्नलिखित योगदान है—किसी भी देश सम्पन्नता उसके निर्माण उद्योगों के विकास से मापी जाती है। इन उद्योगों ने लोगों को रोजगार प्रदान कर उनकी कृषि पर निर्भरता को कम किया है। निर्मित वस्तुओं के निर्यात से विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है जिससे गरीबी की समस्या पर बहुत हद तक काबू पा लिया गया है। जनजातीय क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के कारण क्षेत्रीय असमानताएँ कम हुई है। पिछले दो दशकों से सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण उद्योग का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण उद्योग का योगदान 17% है। भारतीय की अपेक्षा अन्य पूर्वी एशियाई देशों में निर्माण उद्योग का योगदान सकल घरेलू उत्पाद का 25 से 35 प्रतिशत है। लेकिन पिछले एक दशक से भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में 7 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी की यह दर अगले दशक में 12% अपेक्षित है। वर्ष 2007-08 से विनिर्माण क्षेत्र का विकास 9 से 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से हुआ है।

सरकारी नीतियों तथा औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी के नए प्रयासों से अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि विनिर्माण उद्योग अगले एक दशक में अपना लक्ष्य पूरा कर सकता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धा परिषद की स्थापना की गई है।

अथवा,

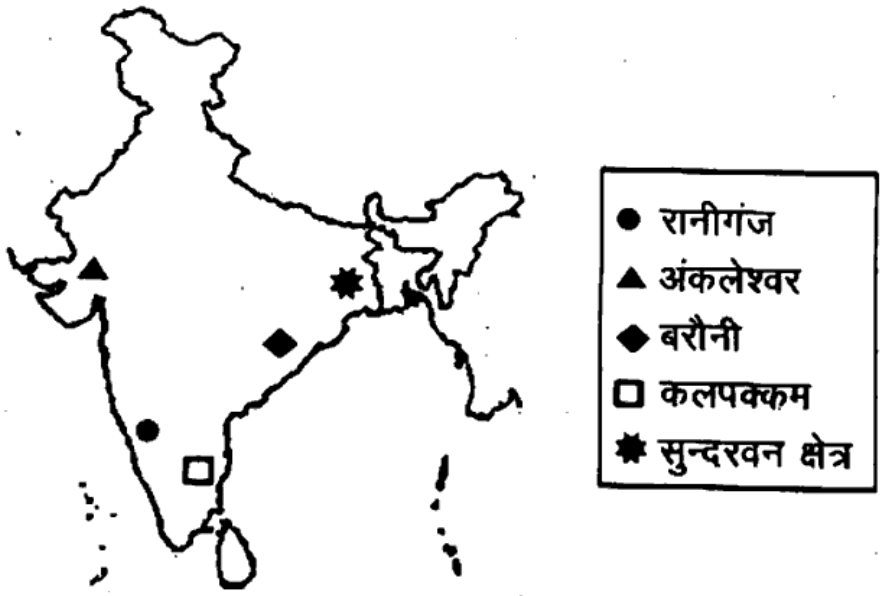

अथवा, गेहूँ भारत में रब्बी की फसल के अन्तर्गत आता है। इसकी खेती कुल कृषि क्षेत्र के लगभग 15% भाग पर की जाती है। मुख्य भौगोलिक दशाएँ शीतोष्ण कटिबंधीय इस फसल के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाएँ है।

(i) बुआई के समय 10–15°C तथा पकते समय 21–26°C तापमान।

(ii) 50–100 सेमी शीतकालीन वर्षा।

(iii) पाला से बचाव।

(iv) जलोढ़ तथा काली मिट्टी युक्त समतल भूमि।

(v) पर्याप्त सस्ते मजदूर।

गेहूँ की खेती मुख्य रूप से पंजाब उत्तर प्रदेश हरियाणा, मध्य प्रदेश पं. बंगाल, बिहार एवं राजस्थान में किया जाता है।

16(क), 17(क)

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

18. गुप्त मतदान— भारत में लोकतंत्र शासन प्रणाली के द्वारा शासन किया जाता है। प्रत्येक पाँच वर्ष के अंतराल पर यह चुनाव प्रक्रिया होती है। जिनमें अनेक राजनीतिक दल अपना-अपना उम्मीदवार खड़ा करती है। जिसमें से जनता अपना प्रतिनिधि का चुनाव करता है। इस चुनाव में अपने प्रतिनिधि के पक्ष में जनता गुप्त मतपत्र का उपयोग करते हैं और उसी के जरिय अपने प्रतिनिधि को चुनने का कार्य करता है। इसी को गुप्त मतदान कहते हैं।

19. ग्राम कचहरी के गठन एवं शक्ति—प्राचीन काल से ही अपनी ग्रामीण समस्याओं का निदान आपस में बैठकर लोग पंचों के द्वारा किया करते थे। इसी परंपरा के तहत गांव में एक ग्राम कचहरी की व्यवस्था की गई है। यह देश की सबसे निचली अदालत के रूप में माना जाता है। संरपंच ग्रामीण न्यायपालिका का प्रधान होता है। जो गांव में एक ग्राम कचहरी का निर्माण करता हो जिसमें सरपंच के साथ-साथ कई पंच होते हैं। जिसका निर्वाचन द्वारा चयन होता है। इनकी कार्यकाल पांच वर्षों का होता है। ग्राम कचहरी दीवानी तथा फौजदारी दोनों मामलों को देखती है।

20. लिंग के आधार पर समाज में महिलाओं और पुरुषों में जो असमानता पायी जाती है। उसे लैंगिक असमानता कहते हैं। यह असमानता समाजिक, आर्थिक, राजनीतिक व अन्य क्षेत्रों में पायी जाती है। पुराने जमाने में महिलाओं और पुरुषों में इतनी अधिक भिन्नता थी कि महिलाओं को अनेक प्रकार के कार्यों से बाधित होना पड़ता था। लेकिन अब ये असमानताएँ धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। अब पुरूषों की भाँति सभी कार्यों में महिलाएँ भी भाग लेती है। यहाँ तक की महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण भी दिया गया है।

21. किसी जन प्रतिनिधि द्वारा खाली सीट पर उसके ही किसी परिजन को बैठाने का प्रयास परिवारवाद कहलाता है। किसी व्यक्ति विशेष का राजनीति में आ जाने के बाद उसके परिजनों का राजनैतिक सितारा मेघा के कारण नहीं, बल्कि उसके परिवार के प्रथम राजनीतिज्ञ के कारण चमकने लगना परिवारवाद कहलाता है। बिहार इससे अछूता नहीं है। बिहार के अधिकांश राजनैतिक दलों में परिवारवादी प्रवृति पायी जाती है। बिहार में परिवारवाद के घातक परिणाम उन्हीं राजनेताओं को झेलने पड़े जिन्होंने परिवारवाद को प्रोत्साहित किया था। परिवारवाद से राजनैतिक भ्रष्टाचार तो बढ़ता ही है साथ ही साथ आपराधिक प्रवृत्ति भी बढ़ती है।

अथवा, राजनीतिक दल आवाम से मिलकर बनते हैं। इसकी इकाइयाँ राष्ट्र के निचले हिस्से तक होती है। राजनीतिक दल की पकड़ जनता की भावनाओं एवं विचारों तक होती है। ये जनता की नब्ज बखूबी पहचानते हैं। जनता अपना निर्णय राजनैतिक दलों के विचारों को जानकर करती है। राजनैतिक दलों का आधार जाति, धर्म, क्षेत्र विशेष नहीं होता है। दलों की नीतियाँ एवं कार्यक्रम समग्र एवं व्यापक होता है। किसी विशेष क्षेत्र या हित के लिए नहीं। राजनैतिक दलों का निर्णय समागता से लिया जाता है। जिसमें समाज का कोई भी तबका असंतुष्ट न हो इस प्रकार राजनैतिक दलों के सहयोग से लोकतांत्रिक व्यवस्था चलायी जाती है। इस व्यवस्था में राजनैतिक दलों की अपरिहार्यता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। अत: राजनैतिक दल लोकतंत्र के लिए आवश्यक है।

22. (घ), 23. (ख)

24. मिश्रित अर्थव्यवस्था पूंजीवादी और समाजवादी अर्थव्यवस्था का मिश्रण है। मिश्रित अर्थ व्यवस्था वह है जिसमें उत्पादन के साधनों का स्वामित्व सरकार तथा निजी लोगों के पास रहता है। अपने देश भारत में मिश्रित अर्थव्यवस्था है। यह अर्थव्यवस्था पूंजीवाद एवं समाजवाद के बीच का रास्ता है।

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com

25. आर्थिक नियोजन का अर्थ एक समयबद्ध कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व निर्धारित सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्यों के प्राप्ति के लिए अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों के नियोजित समन्वय का उपयोग करना है। दूसरे शब्दों में आर्थिक प्राथमिकताओं के आधारों पर लक्ष्य का निर्धारण कर उन्हें एक निश्चित अवधि में पूरा करने का प्रयास ही आर्थिक नियोजन कहलाता है।

26. **सकल घरेलू उत्पाद**—एक देश की सीमा के अन्दर किसी भी दी गई समयावधि प्राय: एक वर्ष में उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं का कुल बाज़ार या मैट्रिक मूल्य, उस देश का सकल घरेलू उत्पाद कहा जाता है।

27. राष्ट्रीय आय का अर्थ किसी देश के एक वर्ष में उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं के कुल मूल्य से लगाया जाता है। अर्थात् वर्ष भर में किसी देश में अर्जित आय की कुल मात्रा को राष्ट्रीय आय कहते हैं। इसे तीन प्रकार से गणना करते हैं—

(i) उत्पादन गणना विधि—राष्ट्रीय आय की गणना अनेक प्रकार से की जाती है। चूंकि राष्ट्र के व्यक्तियों की आय उत्पादन के माध्यम से अथवा मौद्रिक आय के माध्यम से प्राप्त होती है इसलिए इसकी गणना जब उत्पादन के योग के द्वारा की जाती है तो उसे उत्पादन गणना विधि कहते हैं।

(ii) आय गणना विधि—जब राष्ट्र के व्यक्तियों की आय के आधार पर राष्ट्रीय आय की गणना की जाती है तो इसे आय गणना विधि कहते हैं।

(iii) व्यय गणना विधि—आय द्वारा व्यक्ति अपने उपभोग के लिए व्यय करता है इसलिए राष्ट्रीय आय की गणना लोगों के व्यय की माप से की जाती है। राष्ट्रीय आय की इस गणना को व्यय गणना विधि कहते हैं।

अथवा, आम आदमी समाज का ऐसा वर्ग है। जो मध्यम श्रेणी का है। तथा प्राय: सुविधाओं से वंचित है। यह वर्ग किसी तरह अपने जीविकोपार्जन द्वारा अपना जीवनयापन करता है। इसकी आय कम होती है। वैश्वीकरण का प्रभाव आम आदमी पर लाभकारी एवं अहितकारी दोनों तरह से पड़ा है। लाभकारी प्रभावों में निम्नलिखित है—

(i) उपभोग के आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता—दुनिया के सभी देशों का उच्चतम उत्पादन आम लोगों के लिए उपलब्ध हो गया। अब कई ब्राण्ड के वस्तुएँ हो गई।

(ii) रोजगार की बढ़ी हुई संभावना—वैश्वीकरण ने औद्योगिक प्रसार को बढ़ाया, परिणामत: रोजगार के नए-नए क्षेत्र खुल गए।

(iii) आधुनिक तकनीक की उपलब्धता—वैश्वीकरण के फलस्वरूप् देशों को नई एवं आधुनिकतम तकनीक उपलब्ध हो गई और लोगों को उसकी जानकारी होने लगी।

28. (क), 29. (ग)

30. आपदा के विभिन्न प्रकार—आपदा दो प्रकार के होते हैं—

1. प्राकृतिक आपदा, 2. मानव जनित आपदा।

प्राकृतिक आपदा के अन्तर्गत भूकंप, सुनामी, बाढ़, सूखा, चक्रवात, हिमस्खलन, ओलावृष्टि-भूस्खलन इत्यादि है।

मानव जनित आपदा—आतंकवाद, साम्प्रदायिक दंगे, महामारी इत्यादि।

●●●

http://www.bsebstudy.com
http://www.bsebstudy.com